# हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

अस्थाई शैक्षणिक खण्ड, शाहपुर, ज़िला काँगड़ा, (हि.प्र.) - 176206

Temporary Academic Block, Shahpur ,Distt. Kangra (HP) - 176206

Website: www.cuhimachal.ac.in


दिनांक : 26.10.2020

फ़ाइल सं. IQAC/1-1/CUHP/2020/ 843

## बैठक के कार्यवृत्त

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों के आधार पर, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यालय आदेश पत्र संख्या 3-1 / हि.प्र.के.वि./शै/2010/5840-46 में दिये गए मसौदे के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला, **धौलाधार परिसर-1 में दिनांक 20.10.2020 को अपराह्न 3:30 बजे निदेशक, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ** की **अध्यक्षता** में सभी **स्कूलों** के **अधिष्ठाताओं/विभागाध्यक्षों/निदेशकों** की एक **बैठक** की गई | सर्वप्रथम बैठक के अध्यक्ष द्वारा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया तत्पश्चात निम्नलिखित **कार्यसूची अनुक्रमणिका/ निर्देशिका** पर पारस्परिक विचार-विमर्श किया गया तथा कुछ **निर्णय** लिए गए |

| मद संख्या | कार्यसूची अनुक्रमणिका/ निर्देशिका |
|---|---|
| 1. | शिक्षण और परीक्षा कार्यक्रम के तरीके एवं शैक्षणिक कलेंडर के विषय में चर्चा करना। |
| 2. | तीसरे सत्र के छात्र अपना ¾ पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं, इसलिए उनके मूल्यांकन के तौर तरीकों पर चर्चा करना। |
| 3. | विश्वविद्यालय पुस्तकालय में डिजिटल सामग्री की खरीद के संबंध में चर्चा करना |
| 4. | विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए बुनियादी सुविधाएं जैसे प्रत्येक शैक्षणिक कक्ष में माइक/कैमरा एवं डेस्कटॉप की व्यवस्था आदि। |
| 5. | शिक्षकों के लिए असीमित इन्टरनेट डेटा की उपलब्धता पर चर्चा करना। |

**मद संख्या 1 के लिए:-** हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे तीसरे सत्र एवं आने वाले नए सत्र के लिए शिक्षण के तरीकों के बारे में सभी स्कूलों के अधिष्ठाताओं के मध्य पारस्परिक चर्चा हुई | बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नया सत्र जो 1 नवम्बर, 2020 से शुरू होगा और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश द्वारा शैक्षणिक कलेंडर के अनुसार होगा | परीक्षा नियंत्रक द्वारा सूचित किया गया कि नए सत्र की प्रवेश प्रक्रिया 20 नवम्बर तक सम्पन्न हो जाएगी, तदुपरांत कक्षाएं चलाई जा सकती हैं | इसमें यह निर्णय लिया गया कि जब तक UGC के नए दिशानिर्देश नहीं आ जाते तब तक नए सत्र की कक्षाएं ऑनलाइन माध्यम से चलाई जायेंगी तथा तीसरे सत्र के विद्यार्थियों, विशेषकर विज्ञान विषय को विश्वविद्यालय में 1 नवम्बर, 2020 से बुलाया जाए, क्योंकि विज्ञान विषय के लिए प्रैक्टिकल के बिना विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम समझना मुश्किल हो रहा है|

**मद संख्या 2 के लिए:-** वर्तमान सत्र की मध्य अवधि (मिड-टर्म) की परीक्षा ऑनलाइन विधि के माध्यम से लेने का निर्णय लिया गया है, जबकि अंतिम (एंड-टर्म) परीक्षा का आयोजन परिसर में किये जाने पर सहमति हुई | विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार ही किया जायेगा, इसके साथ ही 20 दिसम्बर को अंतिम सत्र की परीक्षाएं करवाने में सहमति प्रदान की गई|

**मद संख्या 3 के लिए:-** ऑनलाइन अध्ययन को देखते हुए विज्ञान विभाग के सभी अधिष्ठाताओं द्वारा इस प्रश्न पर विचार किया गया है कि छात्रों के लिए बिना डिजिटल पैड और ब्लैकबोर्ड के समीकरणों और चित्रों इत्यादि को बनाना और समझना मुश्किल हो गया है | अतः इस विषय पर सभी अधिष्ठाताओं द्वारा इस बात का प्रस्ताव रखा गया कि प्रत्येक विभाग को 2 डिजिटल पैड एवं भौतिकी एवं पदार्थ विज्ञान विभाग के लिए 3 डिजिटल पैड उपलब्ध करवाए जायें ताकि छात्र समीकरणों और आरेख को ठीक से समझ सकें। यद्यपि प्रत्येक विभाग द्वारा 3 या 4 डिजिटल पैड की मांग की गई है, लेकिन वित्तीय स्थिति को देखते हुए अभी तक प्रत्येक विभाग द्वारा 2-2 डिजिटल पैड एवं भौतिकी विभाग के लिए 3 डिजिटल पैड ही लेने पर सहमति हुई है | अधिष्ठाताओं, वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव द्वारा तय किया गया है कि डिजिटल पैड बहुत जरूरी हैं इसलिए इसे स्थानीय बाज़ार से खरीद लिया जाये क्योंकि इसकी लागत लगभग 2.5 लाख रुपये तक ही होगी |

इस खरीद हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक खरीद समिति का गठन किया जाएगा जिसमें प्रो. हूम चंद, अधिष्ठाता, भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान अध्यक्ष होंगे तथा प्रो. मोहिंदर सिंह, अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल इसमें सदस्य रहेंगे एवं समिति के अन्य सदस्य प्रो. हूम चंद अपने विभाग या किसी अन्य विभाग से चयनित कर सकते हैं |

**मद संख्या 4 के लिए:-** विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा अध्यापन हेतु माइक/कैमरा एवं डेस्कटॉप की व्यवस्था आदि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रक्रिया आरम्भ हो चुकी है तथा जल्द ही शिक्षकों को डेस्कटॉप तथा फर्नीचर आदि उपलब्ध हो जाएंगे |

**मद संख्या 5 के लिए:-** यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में असीमित इन्टरनेट डेटा उपलब्ध है तथा अभी शिक्षकों के लिए work from home प्रक्रिया नहीं है | विश्वविद्यालय आदेशानुसार अब सभी शिक्षकों को अपने कार्यस्थल से की कार्य/अध्यापन करना है | जिसके लिए विश्वविद्यालय में इन्टरनेट तथा Wi-fi (Campus Connect) की सुविधा है |

देहरा परिसर में कार्यरत अधिष्ठाताओं के द्वारा यह उल्लेख किया गया है कि परिसर में इंटरनेट सुविधा का प्रावधान नहीं है और यहाँ पर अगर इन्टरनेट की सुविधा है भी तो वह नाम-मात्र की है, इसलिए COVID-19 के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए ही परिसर में अध्ययन की अनुमति देने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया | साथ ही निदेशक, कंप्यूटर केन्द्र ने यह अवगत करवाया कि देहरा परिसर में जल्द ही इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी |

**अन्य निर्णय:-**

सभी स्कूलों के अधिष्ठाताओं/विभागाध्यक्षों/निदेशकों द्वारा बैठक में कुछ अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई जिसमें यह निर्णय लिए गये कि :-

1. विश्वविद्यालय के सभी शोधार्थियों को 1 नवंबर, 2020 से कोर्स वर्क करने के लिए परिसर में बुलाया जाना तय हुआ तथा जिन विभागों में कोर्स वर्क अगस्त, 2020 से शुरू हो गया था वो विभाग अपने स्तर पर उन शोधार्थियों की अंत-अवधि परीक्षा 20 दिसम्बर, 2020 तक ले सकते हैं | जिनका कोर्स वर्क देरी से शुरू हुआ वह 06 महीने का सेमेस्टर पूरा करने के उपरांत ही अंत-अवधि परीक्षा ले सकते हैं |

सभी अधिष्ठाताओं द्वारा खरीद प्रक्रिया में देरी के मामले पर सवाल उठाया गया है। ग्रीन बुक में खरीद नियमों और GFR-17 में उल्लिखित खरीद नियमों के मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा की गई है। वर्तमान में GFR-17 व विश्वविद्यालय खरीद नियम (University Procurement Rules) में भिन्नता नजर आती है अतः खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए विश्वविद्यालय खरीद नियम में GFR -17 के अनुसार संशोधन करने की आवश्यकता है। जिसके लिए विश्वविद्यालय में वरिष्ठ प्रोफेसर की अध्यक्षता में वित्त अधिकारी और कुलसचिव के साथ मिलकर एक समिति का गठन करने का प्रस्ताव पारित किया। उपरोक्त समिति GFR-17 के अनुसार CUHP Procurementof Goods and Services Rules, 2010 (ग्रीन बुक) के खरीद नियमों के अनुसार संशोधन करने की सिफारिश करेगी।

**बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:**

डॉ. अमरेन्द्र कुमार,
सहायक प्रोफेसर,
पत्रकारिता और जनसंचार विभाग

डॉ. योगेश कुमार गुप्ता
सहायक प्रोफेसर,
नव मीडिया विभाग

डॉ. संजय कुमार,
निदेशक,
दीन दयाल उपाध्याय अध्ययन

डॉ. सुनील कुमार,
विभागाध्यक्ष,
जन्तु विज्ञान विभाग

डॉ. नन्दूरी राज गोपाल
विभागाध्यक्ष,
अंग्रेजी विभाग

डॉ. राजेन्द्र कुमार
विभागाध्यक्ष,
रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. राज कुमार उपाध्याय मणि,
विभागाध्यक्ष,
हिन्दी विभाग

डॉ. सन्दीप कुमार सूद
निदेशक,
कंप्यूटर केंद्र

प्रो. आशुतोष प्रधान,
विभागाध्यक्ष,
सामाजिक कार्य विभाग

डॉ. सुमन शर्मा
अधिष्ठाता
पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन स्कूल

प्रो. मोहिन्द्र सिंह,
अधिष्ठाता,
वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन स्कूल

प्रो. प्रदीप कुमार,
अधिष्ठाता
जीव विज्ञान स्कूल

प्रो. राकेश कुमार,
अधिष्ठाता,
गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग

प्रो. हुम चंद
अधिष्ठाता,
भौतिक एवं पदार्थ विज्ञान स्कूल

प्रो. नारायण सिंह राव
अधिष्ठाता,
सामाजिक विज्ञान स्कूल

प्रो. विशाल सूद,
अधिष्ठाता,
शिक्षा स्कूल

श्री नरेंद्र कुमार,
वित्त अधिकारी,
हि.प्र.के.वि., धर्मशाला

डॉ. संजीव शर्मा
कुलसचिव,
हि.प्र.के.वि., धर्मशाला

प्रो. रोशन लाल शर्मा,
शैक्षणिक विशेष कार्याधिकारी

प्रो. अम्बरीश कुमार महाजन
अधिष्ठाता,
पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान स्कूल, तथा
निदेशक, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ